



# माँ सरस्वती वंदना



या कुंदैदुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता,  
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।  
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता,  
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं,  
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्।  
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्,  
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्

1

<sup>1</sup> सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏰, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍵, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🎉, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सऐप ग्रुप](#)

[व्हाट्सऐप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)

धर्मयात्रा

DharmYaatra